मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 05 नवम्बर 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	06/11/19	07/11/19	08/11/19	09/11/19	10/11/19
वर्षा (मि.मी.)	0	4	6	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	32	32	32	31	31
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	19	20	20	19	19
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	4	5	1	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	66	67	69	63	64
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	31	31	34	33	32
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	8	10	11	11
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
		बीज को बुवाई से पूर्व कवकनाशी, कीटनाशी व जैवउर्वरको से उपचारित करें।
गेहूं	तैयारी	गेहूं की बुवाई हेतु खेत में दो–तीन बार हैरो से जुताई करे तथा पाटा लगाकर खेत तैयार करें व उन्नत बीज, खाद की व्यवस्था करें। राज–4120, जी.डब्ल्यु–11, एच.डी–2967, के.आर.एल–210, के.आर. एल–13, राज–4238, राज–3077, राज–3777, राज–4037 राज–1482 डब्ल्यू.एच–147 व लोक–1 गेहूं की उन्नत किस्में है। बीज की मात्रा 100 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरको की मात्रा 60, 40 व 20 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर होनी चाहिएं। दीमक के नियंत्रण के लिए खेत में 4 लीटर क्लोरपायरीफास 20 ई.सी पलेवा के समय दें।
जीरा	तैयारी	जीरे की बुवाई हेतु खेत में दो–तीन बार हैरो से जुताई कर पाटा लगाकर खेत को तैयार करें तथा बुवाई के लिए उन्नत किस्मों के बीज का प्रबन्ध करें। आर.जेड–19, आर.जेड–209, जी.जी–4 व आर.जेड–223 जीरे की उन्नत किस्में है। बीज की मात्रा 12–15 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। दीमक के नियंत्रण के लिए खेत में 4 लीटर क्लोरपायरीफास 20 ई.सी पलेवा के समय दें।
ईसबगोल	बुवाई	ईसबगोल की आर.आई–1, आर.आई–89 व जी.आई–2 इसकी उन्नत

		किस्मों की बुवाई करे। है। बुवाई हेतु 4–5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है। 15 किलो नत्रजन व 25 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर बुवाई के समय दें।

(नौडल ऑफीसर)